भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या - 340

उत्तर दिनांक 18/12/2024 को दिया गया

गोरखपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र से पड़ने वाले प्रभाव का आकलन

*340. श्री असादुद्दीन ओवैसी

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) क्या सरकार ने गोरखपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के स्थानीय जल आपूर्ति पर पड़ने वाले प्रभाव का कोई आकलन किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या इस संयंत्र में स्थानीय युवाओं की सेवाएं लिए जाने हेतु विशेष प्रावधान किए गए हैं; और

(घ) यदि हां, तो इससे कितना रोजगार सृजित होने की संभावना है तथा आज तक कुल कितना रोजगार सृजित हुआ है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह)

(क) से (घ) तक सदन के पटल पर विवरण प्रस्तुत है।

*****

भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग

"गोरखपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र से पड़ने वाले प्रभाव का आकलन" के संबंध में श्री असादुद्दीन ओवैसी द्वारा पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *340 (बीसवां स्थान), जिसका उत्तर दिनांक 18.12.2024 को दिया जाना है, के उत्तर में संदर्भित विवरण।

(क) हां।

(ख) हरियाणा में गोरखपुर (गोरखपुर हरियाणा अणु विद्युत परियोजना - जीएचएवीपी) में नाभिकीय विद्युत संयंत्रों की स्थापना हेतु, स्थानीय जल आपूर्ति पर प्रभाव सहित व्यापक पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन (ईआईए), एमओईएफएंडसीसी से परियोजना के लिए पर्यावरणीय मंजूरी प्राप्त करने के हिस्से के रूप में किया गया।

(ग) परियोजना प्रभावित व्यक्तियों के लिए व्यवसाय संबंधी प्रावधानों में आयु और अंकों में छूट के विशेष प्रावधान किए गए हैं। इसके अलावा, विभिन्न अनुबंधों में उपयुक्त स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देने का प्रावधान भी शामिल है। स्थानीय क्षेत्र के मेधावी छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए कौशल विकास कार्यक्रम, छात्रवृत्ति और प्रायोजन भी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधियों का हिस्सा हैं।

(घ) गोरखपुर नाभिकीय विद्युत परियोजना में 700 मेगावाट की दो जुड़वाँ इकाइयां - जीएचएवीपी-1 व 2 (2 x 700 मेगावाट) और जीएचएवीपी-3 व 4 (2 x 700 मेगावाट) शामिल हैं। जीएचएवीपी में निर्माण कार्य के चरम के दौरान लगभग 8000 व्यक्तियों को रोजगार मिलने का अनुमान है जिसकी स्थिति घंटाकार के अनुसार चलती है। इन जुड़वाँ इकाई केंद्रों के प्रचालन के दौरान, प्रत्येक इकाई में लगभग 2000 व्यक्तियों के रोजगार (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों) मिलने का अनुमान है। इसके अलावा, ठेकेदारों/विक्रेताओं से रोजगार मिलने की एक बड़ी संभावना है और स्थल पर आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि के परिणामस्वरूप व्यावसायिक अवसर उभरने की संभावना है। वर्तमान में जीएचएवीपी में कुल 3080 व्यक्ति कार्यरत हैं, जिनमें से 1339 हरियाणा राज्य से संबंधित हैं।

*****